Unprofitability In Visakhapatnam Steel Plant

1668. SHRI MENTAY PADMANABHAM : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) whether there is any proposal to accord Visakhapatnam Steel Plant the status of an "Export Oriented Unit";

(b) if so, what are the projection of exports in quantity terms in 1993-94 and 1994-95;

(c) whether it is a fact that the equipment utilisation at Visakhapatnam Steel Plant is not at an optimum level;

(d) what are the reasons for the under utilisation of equipment at this plant; and

(e) whether under utilisation of equipment is the primary cause of unprofitability at this stage?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) : (a) and (b) Management of VSP has suggested that the company may be accorded the status of Export Oriented Unit as per provisions under EXIM Policy, Government of India. VSP has, however, targetted to export 9,00,000 tonnes of saleable steel and 4,00,000 tonnes of pig iron during the current year.

(c) to (e) Production units of Visakhapatnam Steel Plant under Stage-II taking the capacity of 3 million tonnes of crude steel were commissioned in July, 1992. The production units are still in the process of stabilisation. The management has initiated remedial measures to improve the capacity utilisation of the facilities. VSP is expected to achieve 100% capacity utilisation by 1996-97. The losses of VSP are on account of low capacity utilisation and also high incidents of capital related charges.

तकनीकी परामर्शदाता कम्पनियां

1669. **श्री अजीत जोगी :**
श्री चौधरी हरि सिंह :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस्पात क्षेत्र में कार्यरत तकनीकी परामर्शदाता कंपनियों के नाम क्या-क्या हैं तथा इन कंपनियों ने कुल कितना कारोबार किया;

(ख) इस सम्बंध में गैर-सरकारी एजेंसी की तुलना में सरकारी एजेन्सी के बारे में सरकार की नीति क्या है; और

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान तकनीकी परामर्शदाता से संबद्ध अनुमनित कार्य का ब्यौरा क्या है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) मेटलर्जिकल एण्ड इंजीनियरिंग कंसल्टेंटस (इण्डिया) लि० (मेकन) तथा मैसर्स एम० एन० दस्तूर एण्ड कम्पनी ऐसी दो प्रमुख तकनीकी परामर्शी कम्पनियां हैं जो इस्पात क्षेत्र में कार्यरत हैं । ऐसी कई अन्य एजेन्सियां हैं जो इस्पात क्षेत्र के विभिन्न कार्यों में कार्यरत हैं ।

मैसर्स एम० एन० दस्तूर एण्ड कम्पनी जो निजी क्षेत्र की कम्पनी हैं, के द्वारा किये गए कारोबार का ब्यौरा सरकार के पास उपलब्ध नहीं है । इस्पात क्षेत्र की सरकारी क्षेत्र की कम्पनी "मेकन" ने वर्ष 1992—93 के दौरान 115 करोड़ रूपये का कुल कारोबार किया ।

(ख) सरकारी मार्ग दर्शनों के अनुसार सरकारी तथा निजी क्षेत्र के संगठन दोनों को बराबर अवसर दिया जाता है । सरकारी क्षेत्र के संगठनों को तभी तरजीह दी जाएगी, जब अन्य बातें समान हों ।

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान "सेल" की इकाइयों से मिलने वाले परामर्शी कार्य निम्नानुसार हैं :—

— बोकारो इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण (सतत कास्टर को शुरू करना तथा हॉट-स्ट्रीप मिल का आधुनिकीकरण)

— भिलाई इस्पात संयंत्र (312 एम^2 का सिन्टर संयंत्र नं०—3, 1×30 मेगावाट का एक विद्युत संयंत्र, और 550 टन दैनिक का आक्सीजन संयंत्र) ।

दिल्ली को सुन्दर बनाया जाना

1670. **डा० नौनिहाल सिंह** : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजधानी को सुन्दर और हरा-भरा बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों की अब तक क्या भूमिका रही है; और

(ख) राजधानी पर जनसंख्या के भार को कम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह गन्दी बस्ती में न बदल जाए, राजधानी विस्तार योजना को कार्यान्वित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने का विचार है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री और जल संवर्धन मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री पी० के० थुंगन) : (क) सरकारी एजेन्सियां राजधानी को सुन्दर और हरा-भरा बनाने के लिये योजनायें बनाने और चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं । दिल्ली के मास्टर प्लान में जहां भूमि उपयोग, जनसंख्या घनत्व और कानूनन हरित क्षेत्र का प्रावधान है वहीं अन्य के साथ-साथ स्मारकों, सामाजिक पार्कों और बगीचों तथा दिल्ली के सौन्दर्यकरण सांस्कृतिक विरासत